



# KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

**UPPSC – 2023**

**LIVE CLASSES**



**BY-AMARENDRA SRIVASTAV SIR**



## Neolithic Age (नवपाषाण काल)

→ 7,000 B.C. — 2500 B.C. —  
8,000 B.C. — " —

→ Neo → New (नया)

→ Lithic/Lithos → Stone (पत्थर)

} New Stone Age  
 (Neolithic)

\* Starting of Agriculture.  
 (कृषि की शुरुआत)

\* Oldest Evidence of Agriculture:  
(कृषि का प्राचीनतम साक्ष्य):-

Dahuradev  
(लहुरादेव)

Sanj Kabilr Nagar (U.P.)  
(संत कबीर नगर, उ०प्र०)

8,000 B.C.

Evidence:- wheat,  
(साक्ष्य) Barley, Rice

(गेहूँ, जौ, चावल,  
झाई)



## ② Mehargarh (मैहरगढ़)

↳ Baluchistan, Pakistan.

↳ खुलेमान एवं किरथर की पहड़ी)

↳ 7000 B.C

↳ Evidence :- wheat, Barley, etc.  
(खान) (गेहूँ, जौ, आदि)

↳ यह नवपाषाण से लेकर हड़प्पा सभ्यता तक के खान

\* मानव द्वारा उपजाया गया पहला फसल: ① जौ (Barley)  
② गेहूँ (Wheat)

Oldest Evidence of Rice Production: - ① Lahuradev  
(चावल उत्पादन के प्राचीनतम साक्ष्य) (लहुरादेव)  
48000 B.C.

② Koldihwa (कोल्डिहवा)  
46,000 B.C.  
Prayagraj (U.P.)





## नवपाषाण काल

### विशेषता-

- ❖ पत्थरों को घिसकर औजार और हथियार बनाना
- ❖ मिट्टी के बने बर्तनों (मृदभांडों) का प्रयोग और उनमें विविधता
- ❖ ग्राम समुदाय का प्रारम्भ और स्थिर ग्राम्य जीवन का विकास

## Neolithic Age

### Speciality-

- ❖ Making tools and weapons by grinding stones
- ❖ Use and variety of pottery made of pottery
- ❖ Origin of village community and development of stable village life

पलिश/प्लिथ







House  
of  
Mehar  
garh



\* पहिले का आविष्कार — Invention of wheel.

\* कुम्हाररी की शुरुआत → चर्तन बताना



## बुर्जहोम

- ❖ कश्मीर
- ❖ गर्तवास (गड्ढा रूपी घर)
- ❖ हड्डी के औजार
- ❖ कब्रों में मालिक के शवों के साथ उनके पालतू कुत्तों को भी दफनाया

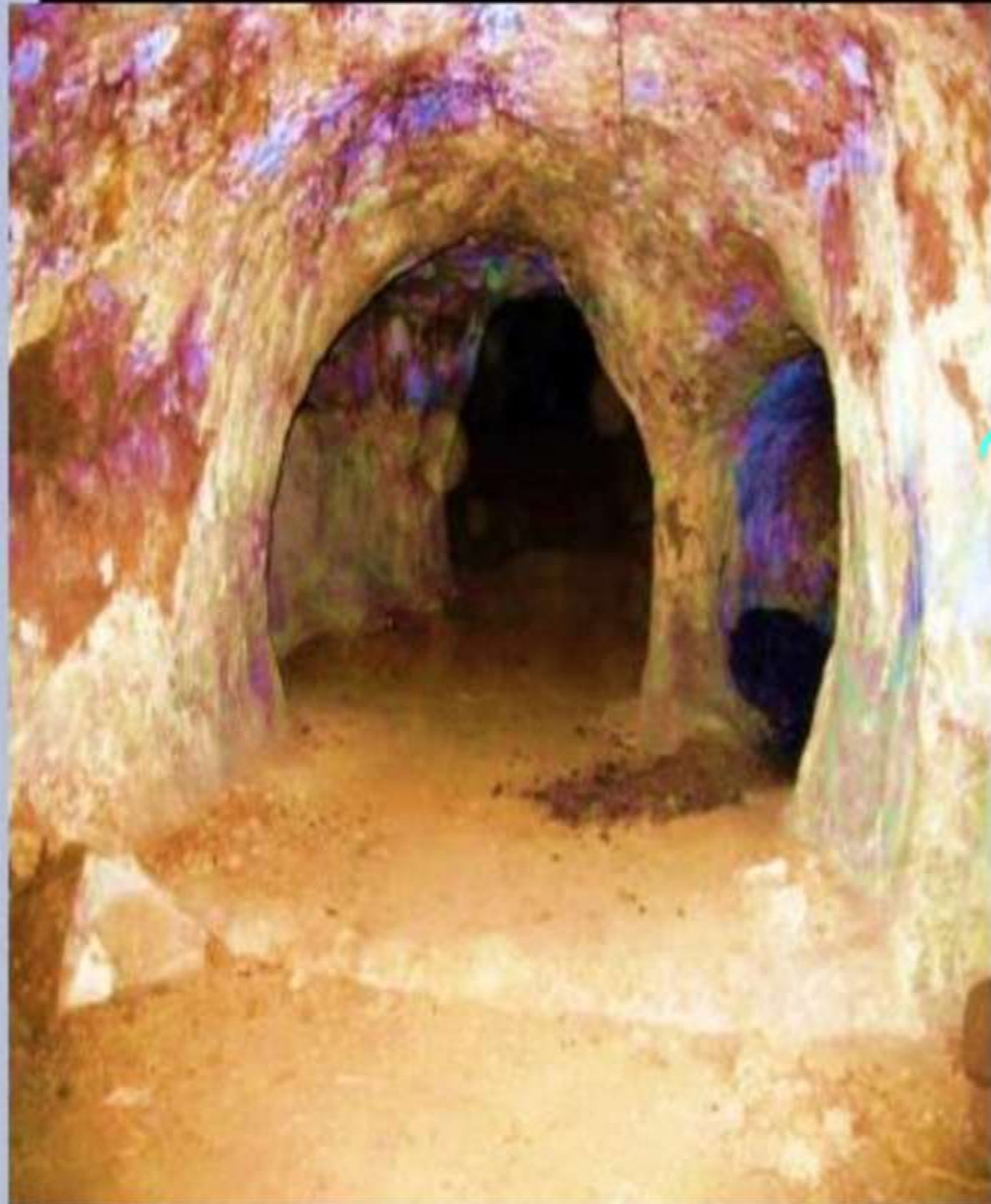
➤ बुर्जहोम एवं गुफ्फकराल से अनेक गर्तवास, मृदभांड एवं पत्थर व हड्डियों के औजार प्राप्त हुए हैं।

## Burzahom

- ❖ Kashmir
- ❖ pit house
- ❖ bone tools
- ❖ Along with the bodies of the owner, his pet dogs were also buried in the graves.

➤ Many pottery, pottery and stone and bone tools have been found from Burzahom and Gufkaral.





गुहावासी  
Trough House





➤ बिहार के चिरांद (सारण)-हड्डी के बने औजार और मुख्य रूप से हिरन के सींगों से बने उपकरण

➤ बर्तनों में- पॉलिशदार काला मृदभांड, धूसर मृदभांड और चटाई की छाप वाले मृदभांड

➤ कर्नाटक के पिक्लीहल और संगंकल्लू - राख के ढेर

➤ **प्रमुख स्थल** : सरुतारु और मारकडोला (असम), बुर्जहोम, गुफकराल (कश्मीर), कोलडिहवा, महागढ (उत्तर प्रदेश), पैयमपल्ली (तमिलनाडु), ब्रह्मगिरि, कोडक्कल, पिक्लीहल, हल्लुर, मस्की, संगेनकल्लु (कर्नाटक), उतनूर (आन्ध्र प्रदेश), चिरांद, सेनुआर (बिहार),

➤ Chirand (Saran) of Bihar - tools made of bone and mainly made of deer horns

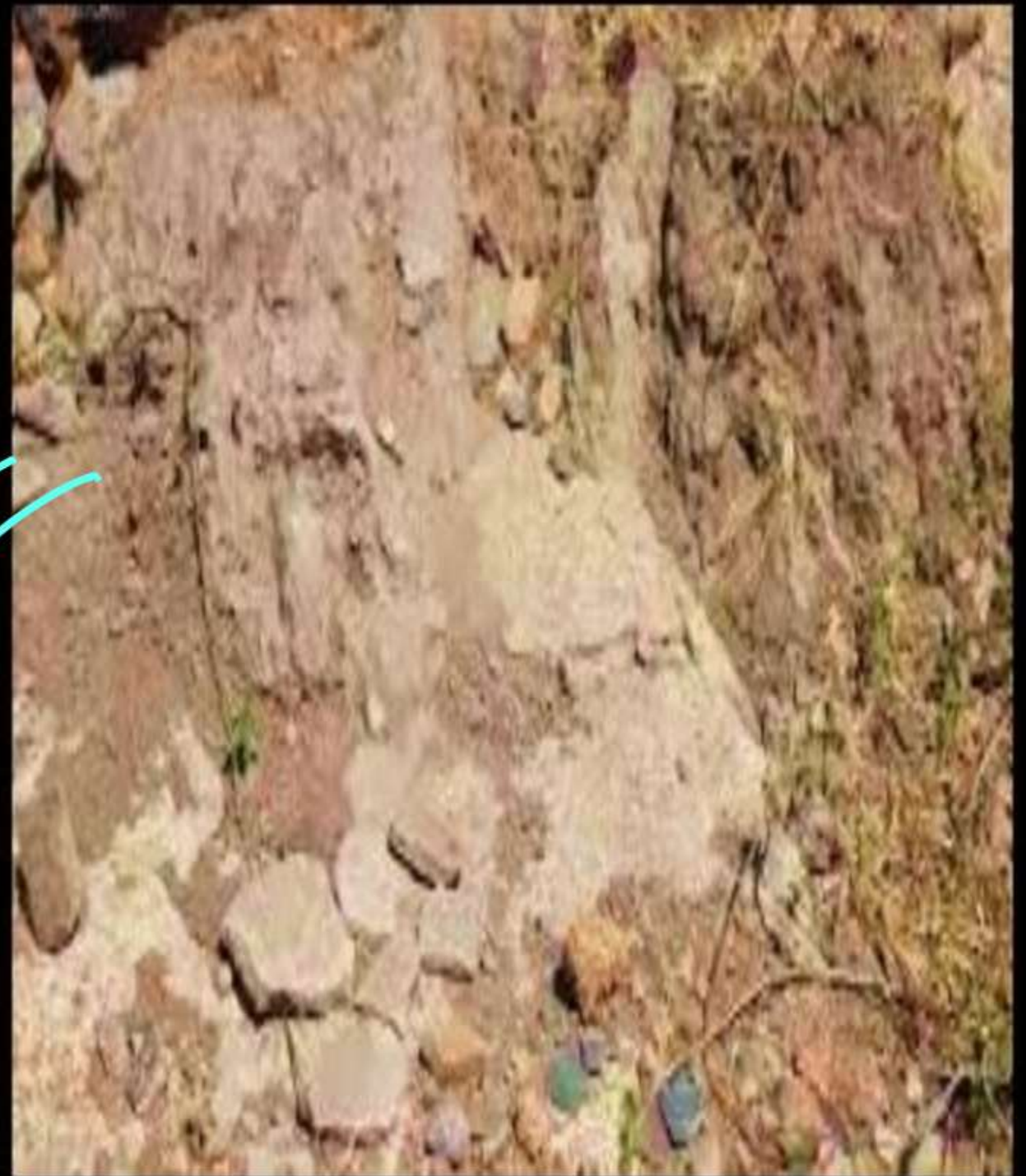
➤ In pots - polished black ware, Gray ware and mat-print ware

➤ **Piklihal and Sangankallu of Karnataka - ashes heap**

➤ **Major Destinations:** Sarutaru and Markadola (Assam), Burzahom, Gufkral (Kashmir), Koldihwa, Mahagad (Uttar Pradesh), Payyampalli (Tamil Nadu), Brahmagiri, Kodakkal, Piklihal, Hallur, Muski, Sangenkallu (Karnataka), Utanur (Andhra Pradesh), Chirand, Senuar (Bihar),



## संगंकल्लू - राख के ढेर (Ashes heap)





Que:- पहला मानव कंकाल कहाँ से मिला है (India)

Ans:- इधनौरा (मध्य)

Que:- मनुष्य जीवन का 99% किस काल में व्यतीत हुआ।

Ans:- Lower Palaeolithic Age  
(निम्न पुरा पाषाण काल)

Que:- किस मानव ने आग की खोज किया किया था।

↳ Homo Erectus  
(होमोइरेक्टस)

↳ यक्रमक पत्थर



④ Que:- पशुपालन के प्राचीनतम स्वरूप कहां से मिले हैं।

Ans:- Adamgarh (आदमगढ़) → काल - Mesolithic Age  
(मध्यपाषाण काल)

⑤ Que:- फलक संस्कृति किस काल की विशेषता हैं।

Ans:- Middle Palaeolithic Age  
(मध्य पुरापाषाण काल)

⑥ Que:- किस स्थान से 41 मानव कंकाल मिले हैं।

Ans:- Damdama (दमदमा)



7) Que: - पहला हस्त कुठार (Hand Axe) किसने खोजा था।  
↳ राबर्ट ब्रूक्स फुल

Ans: -

8) Que: - चाँपर - चाँपिंग संस्कृति किससे संबंधित है -

Ans: - ↳ Sohan Culture (सोहन संस्कृति)

9) Que: - पहला मानव की उत्पत्ति कहाँ पर मानी जाती है।

Ans: - Africa (अफ्रीका)



**ताम्रपाषण काल**  
**(Chalcolithic Age)**



## Chalcolithic Age (ताम्र पाषाण काल)

↳ Chalco → Copper (ताँबा)  
↳ Lithic/Lithos → Stone पत्थर

Copper Stone Age

↓  
Chalcolithic Age  
(ताम्र पाषाण काल)

↓  
पत्थर

\* 1<sup>st</sup> Metal used by Human: - Copper ताँबा  
(मानव द्वारा प्रयोग किया गया पहला धातु) (ताँबा)



## प्रमुख ताम्र-पाषाणिक संस्कृतियाँ / Major Chalcolithic Cultures

✓ अहिड या बनास संस्कृति/ Ahar or Banas culture ✓	दक्षिण पूर्वी राजस्थान/ South Eastern Rajasthan	2100-1500 ई.पू. (BC)
✓ मालवा संस्कृति/ Malwa culture ✓	पश्चिमी मध्य प्रदेश/ Western Madhya Pradesh	1700-1200 ई.पू. (BC)
कायथा संस्कृति/ Kayatha culture ✓	पश्चिमी मध्य प्रदेश/ Western Madhya Pradesh	2000-1800 ई.पू. (BC)
✓ सवालदा संस्कृति/ Savalda culture ✓	महाराष्ट्र/ Maharashtra	2000-1800 ई.पू. (BC)
✓ जोरवे संस्कृति/ Jorve culture ✓	महाराष्ट्र/ Maharashtra	1400-700 ई.पू.
प्रभास संस्कृति/ Prabhas Culture ✓	गुजरात/ Gujarat	1800-1500 ई.पू. (BC)
रंगपुर संस्कृति/ Rangpur culture ✓	गुजरात/ Gujarat	1400-700 ई.पू. (BC)
✓ चिराँद संस्कृति/ Chirand culture ✓	बिहार/ Bihar	1500-750 ई.पू. (BC)



## अहार या बनारस संस्कृति (Ahar or Banas Culture)

→ Rajasthan (राजस्थान)

→ 2100 B.C. — 1500 B.C.

→ Centre :- Gilunda  
(केंद्र) (गिलुंड)

→ Other Name :- Tamravati (ताम्रवती)  
↳ Copper producer Centre.

→ 7 प्रकार के मृदाभाण मिलते हैं।  
(तांबा उत्पादन केंद्र)

7 type of  
Pottery



## Chalcolithic Sites in India

Ahar Culture  
↓  
Rajasthan





## Chalcolithic Sites in India



Maharashtra

Jorve  
culture  
(जोर्वे संस्कृति)



## Jorvey Culture (जौर्व संस्कृति)

→ Maharashtra (महाराष्ट्र)

→ 1400 B.C. — 700 B.C.

→ Imp. Place:

- Inamgaon (इनामगाँव)
- Nevada (नेवासा)
- Daimabad (दामाबाद)
- Chandauli (चंदौली)
- Jorvey (जौर्व)



→ इनके मुद्राण्ड-चाक और हस्तनिर्मित होते थे।

→ लाल-काला मुद्राण्ड



## मालवा संस्कृति (Malwa Culture)

- ❖ मालवा के मृद्भांड खुरदरे हैं तथा इन पर मोटी हल्की भूरी धारी है जिस पर काले अथवा गहरे भूरे रंग से डिजाइन बनाये गये हैं ये ताम्र-पाषाणिक मृद्भांडों में उत्कृष्टम हैं।
- ❖ The pottery of Malwa is rough and has a thick light brown stripe on which designs have been made in black or dark brown color. These are the best among the copper-stone pottery.

→ 1700 B.C. - 1200 B.C.

→ 1700 B.C. - 1200 B.C.





## Chalcolithic Sites in India

Malwa  
Culture.  
(निमल  
सिक्कह)





## कायथा संस्कृति(Kayatha Culture)

❖ कायथा संस्कृति मृद्धांडों की तीन मुख्य विशेषताएँ हैं-

1. गहरी भूरी चित्रित मोटी तथा गहरी लाल धारी वाले
2. लाल रंग में चित्रित हल्के भूरे पतले
3. तथा बगैर धारी वाले खरोचे गये मृद्धांड

❖ Kayatha culture pottery has three main characteristics-

1. Dark brown painted with thick and dark red stripes
2. Light brown thins painted in red
3. And scratched pottery without stripes



## Chalcolithic Sites in India





**सवालदा संस्कृति** → Maharashtra (महाराष्ट्र)

❖ सवालदा संस्कृति की विशेषता यहाँ के **लाल पर काले चित्रित बर्तन** हैं जिनको **चिड़ियों, जानवर तथा मछलियों** से चित्रित किया गया है।

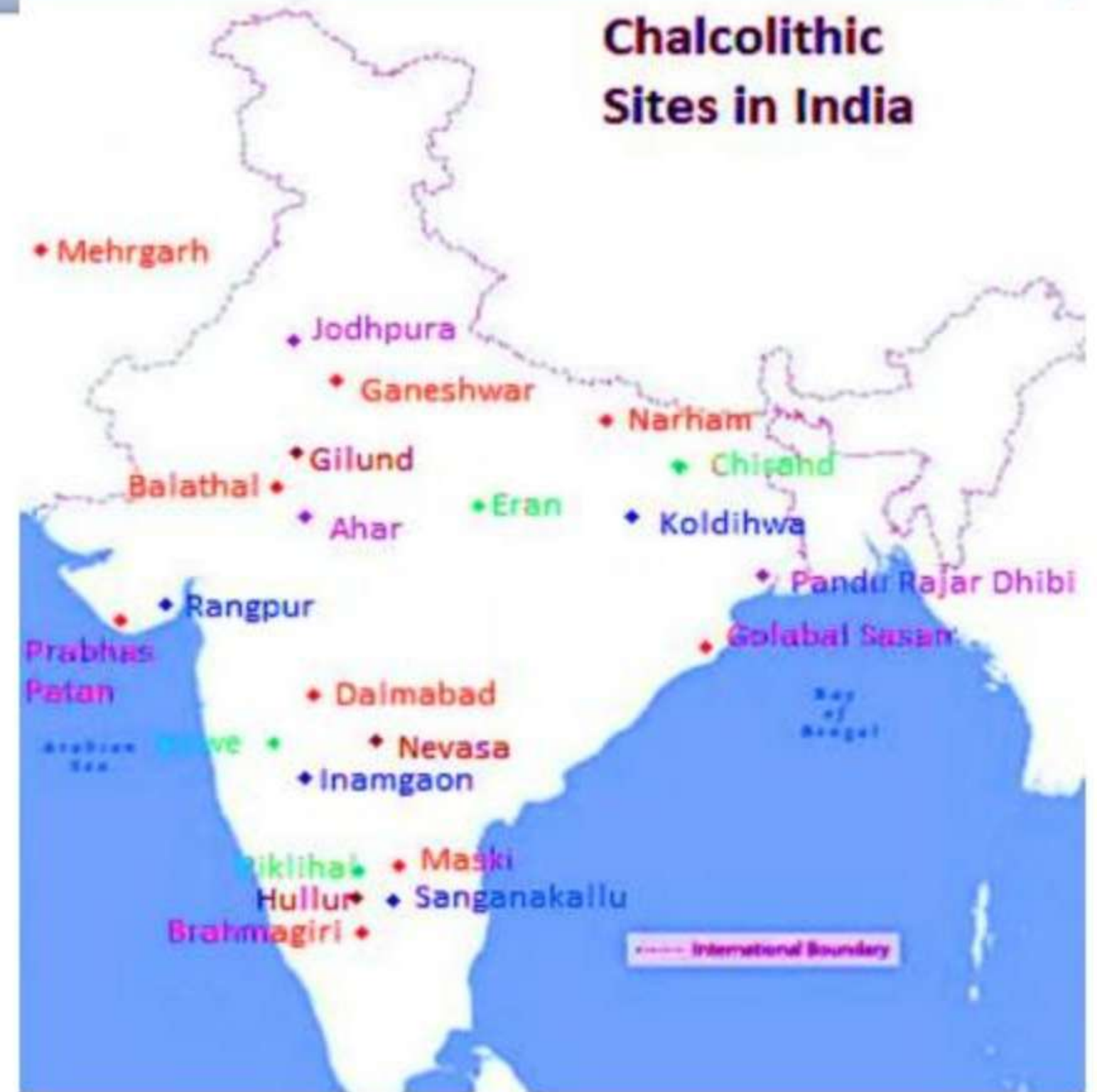
• The specialty of Savalda culture is its red and black painted utensils which are depicted with birds, animals and fishes.

❖ गहरी तथा मोटी लाल धारी वाले अधिकतर बर्तनों का आधार गोल है।

• Most of the utensils with deep and thick red stripes have a round base.

\* Time! - 2000-1800 B.C.

## Chalcolithic Sites in India





## अर्थव्यवस्था (Economy)

- ❖ अर्थव्यवस्था का आधार -खेती तथा पशुपालन
- ❖ विभिन्न प्रकार के फसलों के उगाने का साक्ष्य
- ❖ मुख्य फसल -जौ
- ❖ इसके अलावा गेहूं, धान, बाजरा, ज्वार, मसूर, मटर, चना तथा मूँगे आदि
- ❖ The economy based on farming and animal husbandry.
- ❖ Evidence of growing of different types of crops.
- ❖ Main crop- Barley
- ❖ Apart from this there were wheat, paddy, millet, jowar, lentils, peas, gram and coral etc.

## अर्थव्यवस्था (Economy)

- ❖ चक्रिक फसल तथा कृत्रिम सिंचाई परम्परा के प्रमाण मिलते हैं ।
- ❖ हल के प्रयोग के साक्ष्य -वालकी (इनामगाँव के समीप) से
- ❖ Evidence of rotational cropping and artificial irrigation tradition is found .
- ❖ Evidence of use of plow -from Valaki (near Inamgaon).



## जानवरों के साक्ष्य

- ❖ पालतू तथा जंगली दोनों प्रकार
- ❖ पालतू पशु- गाय, भैंस, भेड़, बकरी, कुत्ता, सुअर तथा घोड़ा आदि
- ❖ जंगली पशु-नील गाय, बारहसिंगा, जंगली भैंसा, गैंडा, चीतल

### Evidence of Animals –

- ❖ both domesticated and wild
- ❖ Pet animals- cow, buffalo, sheep, goat, dog, pig and horse etc.
- ❖ Wild animals – Nile cow, Barashingha, Wild buffalo, Rhinoceros, Chital.

## बस्तियों का स्वरूप (Pattern of settlements)

- ❖ घर सामान्य रूप से मिट्टी की दीवारों तथा छप्पर की छतों वाले आयताकार एवं गोलाकार थे ।
- ❖ Houses were generally rectangular and circular with mud walls and thatched roofs.
- ❖ अहार संस्कृति के घर पत्थर तथा मिट्टी अथवा मिट्टी की ईंटों की सहायता से बनाये गये थे ।
- ❖ The houses of Ahar culture were built with the help of stone and mud or mud bricks.



- ❖ मालवा की बस्तियों नवदाटोली, इनामगाँव तथा दायमाबाद से प्राप्त हुई है । बस्तियाँ योजनाबद्ध ढंग से बसायी जाती थी। इन बस्तियों के घरों में विभाजक दीवारें, ढलवा छतें, आग जलाने के गोलाकार गड्ढे तथा अन्न भण्डार हेतु गड्ढे प्राप्त हुए हैं ।
- ❖ **Malwa settlements have been obtained from Navdatoli, Inamgaon and Daimabad. Settlements were established in a planned manner. Partition walls, sloped roofs, circular fire pits and pits for storing grains have been found in the houses of these settlements.**



- ❖ सवालदा संस्कृति में अधिकतर घर आयताकार तथा एक कमरों वाले थे । लेकिन कुछ घरों में दो अथवा तीन कमरे थे ।
- ❖ Most houses in the Savalda culture were rectangular and had one room. But some houses had two or three rooms.
- ❖ जोरवे संस्कृति में सामाजिक श्रेणीकरण के चिन्ह दिखाई पड़ते हैं ।
- ❖ Signs of social categorization are visible in Jorve culture.
- ❖ कुछ ताम्र पाषाण बस्तियों के चारों ओर किलाबंदी के साक्ष्य प्राप्त हुये हैं जैसे -एरण तथा नागदा (दोनों मालवा संस्कृति) और इनामगाँव से ।
- ❖ Evidence of fortifications has been found around some Chalcolithic settlements such as Eran and Nagda (both Malwa culture) and Inamgaon.



- ❖ मालवा से चरखे और तकलियाँ तथा महाराष्ट्र से सुत एवं रेशम के धागे मिले हैं तथा कायथा में मिले मनके के हार से ऐसा प्रतीत होता है कि लोग कताई, बुनाई एवं आभूषण निर्माण के व्यवसाय से परिचित थे ।
- ❖ Charkhas and spindles have been found from Malwa and cotton and silk threads have been found from Maharashtra and from the bead necklaces found in Kayatha it seems that people were familiar with the business of spinning, weaving and jewelery making.



## धर्म (Religion)

- मिट्टी के नारी प्रतिमाओं के पाये जाने से देवी-पूजा के संकेत मिलते हैं
- नेवासा से शीर्ष रहित बड़े आकार की नारी प्रतिमा तथा इनामगाँव से भी नारी मूर्ति मिली है
- इनामगाँव से दो पुरुष प्रतिमाये मिली हैं जिनका अनुमान पुरुष देवता के रूप में किया गया है
- Finding of clay female statues indicates goddess worship.
- A large headless female statue has been found from Nevasa and a female statue has also been found from Inamgaon.
- Two male statues have been found from Inamgaon which have been estimated as male deities.



- शव उत्तर - दक्षिण में दफनाया जाता था । वयस्क लिटाकर तथा बच्चे कलशों में दफनाये जाते थे ।
- The dead body was buried in north-south direction.  
Adults were buried lying down and children were buried in urns.
- गर्त - दफन के भी साक्ष्य मिले हैं.
- जोरवे युग में वयस्क मृतकों के पैरो को काट दिया जाता था।
- Evidence of pit burial has also been found.
- In the Jorve era, the feet of adult dead people were cut off.

- वयस्क शवाधानों के साथ वस्तुओं के रखे जाने के प्रमाण मिले हैं यह उनके लोकोत्तर जीवन में विश्वास की ओर संकेत करती है
- इनामगाँव से चार पायों वाला कलश शवाधान के साक्ष्य प्राप्त हुये हैं कब्र से एक टोटीदार पात्र मिला है जिस पर लम्बे चप्पू युक्त नाव का चित्र बना है
- There is evidence of objects being placed with adult burials, indicating belief in an afterlife.
- Evidence of four-legged urn burial has been found from Inamgaon. A spouted vessel has been found from the grave on which a picture of a boat with a long oar is drawn.



- ताम्र पाषाणिक लोग लेखन कला से अनभिज्ञ थे सबसे पहले चित्रित मृद्भांडों का प्रयोग तथा गाँव की स्थापना ताम्र पाषाणिक लोगों ने ही की थी
- The Chalcolithic people were ignorant of the art of writing. The first to use painted pottery and the villages were established by the Chalcolithic people only.